भाकृअनुप–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

भाकृअनुप–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में दिनांक 27 अगस्त, 2016 को संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों की हिन्दी में काम करने की झिझक को दूर करने के उद्देश्य से एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, डा. पी. जी. कर्मकार जी ने की। निदेशक महोदय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हमें स्वयं को हिंदी में कार्य करने हेतु संवेदनशील होना पड़ेगा तभी आदेशों को लागू करने में सहायता मिलेगी। यदि हम स्वयं अपना कार्यालयीन कार्य राजभाषा में करेंगे तो हमारे सभी अधिनस्थ अधिकारी/कर्मचारी भी राजभाषा में कार्य करने हेतु उत्साहित होंगे उन्होंने राजभाषा में आए पत्रों का उत्तर राजभाषा में ही दिये जाने का आवह्यान किया। डा. जीबन मित्र, प्रभागाध्यक्ष, फसल सुधार प्रभाग ने कहा कि राजभाषा हिंदी का कार्यालयीन कार्यों में प्रयोग हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने संस्थान की वार्षिक गृह पत्रिका 'रेशा किरण' के द्वितीय संस्करण के प्रकाशन का भी आग्रह किया। डा. सूर्य कुमार सरकार, प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रभारी, पी. एम.ई. कक्ष ने राजभाषा में अधिक से अधिक पत्राचार पर बल देते हुए कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि राजभाषा के व्यापक प्रसार में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। डा. एस. मित्रा, प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रभारी, ए.आई.एन.पी. ने राजभाषा में कार्य के साथ–साथ अधिक से अधिक पत्राचार राजभाषा हिन्दी में ही करने का आग्रह किया। डा. ए. के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, वित्त एवं लेखा अधिकारी, ने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यालयीन कार्य यथा–संम्भव राजभाषा हिन्दी में करने पर बल दिया। डा. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, राजभाषा ने बताया की वार्षिक पत्रिका 'रेशा किरण' के द्वितीय संस्करण का प्रकाशन यथा शीघ्र किया जाएगा।

कार्यशाला में व्याख्यान हेतु सुश्री अर्पिता राय, प्राध्यापिका, हिन्दी शिक्षण योजना, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, निजाम पैलेस, कोलकाता को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने राजभाषा नीति, नियम पर पावर प्वांईट प्रस्तुतिकरण किया तथा हिन्दी में टिप्पणी, पत्र लेखन एवं मसौदा लेखन आदि विषयों पर भी जानकारी प्रदान की साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का समाधान भी किया। इस कार्यशाला में संस्थान के लगभग 70 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

हिंदी कार्यशाला का संचालन डा. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, राजभाषा कक्ष ने श्री मनोज कुमार राय, सहायक के सहयोग से किया तथा समापन के दौरान उन्होंने समस्त प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का समापन हुआ।